मानवाधिकारों का संरक्षण करें, संवेदनशीलता से कार्य करें

राज्य आयोग अध्यक्ष व्यास ने की समीक्षा, दिए निर्देश

बाड़मेर @ पत्रिका . पुलिस व प्रशासन मानवाधिकारों का संरक्षण करे और सक्रियता के साथ-साथ संवेदनशीलता से कार्य करें। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गोपालकृष्ण व्यास ने सोमवार को जिले में मानवाधिकारों के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को यह दिशा निर्देश दिए।

आयोग अध्यक्ष व्यास ने जिले में मानवाधिकार से संबंधित प्रकरणों के बारे में से जानकारी ली और इस दिशा में तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोरोना काल में विशेषकर अस्पतालों में मानवाधिकारों की सुनिश्चितता के लिए बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देने व मरीजो के साथ सवेदनशील व्यवहार पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने जनप्रतिनिधियो के सहयोग से कोरोना जागरूकता को व्यापक रूप से अभियान चलाने व कोविड प्रोटोकॉल के साथ मानवाधिकार सुनिश्चित करने की हिदायत दी।

इस मौके पर निवृत्तमान जिला कलक्टर विश्राम मीणा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह ने जिले में मानवाधिकारों के अमल और इस बाबत की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहनदान रतनू व उपखण्ड अधिकारी रोहित चौहान भी उपस्थित थे। उन्होंने इस दौरान जनसुनवाई की और प्रत्येक प्रकरण की विस्तृत सुनवाई कर आवश्यक निर्देश दिए। सुनवाई में कुल 19 मामले प्रस्तुत हुए। इससे पूर्व राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया और चिकित्सा प्रबंधो की समीक्षा की। उन्होंने राजकीय बाल संप्रेषण गृह भी देखा। वहीं कोतवाली व सदर थाने का निरीक्षण कर आवश्यक इंतजामों की पड़ताल की।

बाड़मेर. राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गोपालकृष्ण व्यास सोमवार को सर्किट हाउस में जन सुनवाई करते हुए।